आपकी खबरों का संसार...

# अतुल्य संसार

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

RNI No.-RJHIN/2015/63826

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 10 | अंकः 333 | जयपुर, शनिवार 13 जून, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

मानसून झारखंड... पेज 2

दिल्ली अग्निकांड... पेज 3

# डबल इंजन सरकार खेती को लाभकारी, पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए प्रतिबद्धः भजनलाल शर्मा

**जयपुर।** राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, किसान मोर्चा अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने शुक्रवार को सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं मल्लखम्भ प्रदर्शन में शिरकत करते हुए किसानों से रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग कम करने एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया। बागडे ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि वे रसायन मुक्त अनाज तैयार करें और लोगों को बीमारियों से बचाने में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि एक समय जब देश में अनाज नहीं बचा था तब किसानों ने पूरी मेहनत कर अनाज उगाया। किसानों की मेहनत के कारण ही आज हमारे देश में अनाज के भण्डार हैं। उन्होंने कहा कि किसान गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उत्पादन करें, आमजन ऐसी पैदावार को खरीदने के लिए हमेशा तैयार हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे किसानों ने पंचगव्य, जीवामृत, बीजामृत और मल्चिंग जैसे प्राकृतिक खेती के तरीकों से मानव और मिट्टी दोनों की सेहत का ध्यान रखा है। इसलिए हमें प्राकृतिक खेती को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि धरती माता को जहरीले रसायन और कीटनाशकों से नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार ने जल एवं ऊर्जा उपलब्धता का विस्तृत

रोडमैप बनाया है। इसके तहत रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, आईजीएनपी एवं गंगनहर के सुदृडीकरण के साथ-साथ माही, देवास तथा सोम-कमला-अंबा, ब्राह्मणी नदी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए गए हैं। विगत ढाई वर्ष में ऊर्जा उत्पादन में प्रदेश ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। हम वर्ष 2027 तक प्रदेशभर में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य की ओर तेजी से बड रहे हैं। आज 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार खेती को लाभकारी और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए हर स्तर पर काम कर रही है। बैलों द्वारा पारंपरिक एवं प्राकृतिक खेती करने पर 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, हरियालो राजस्थान जैसी पहल की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा पीएम-किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम-कुसुम योजना और ई-नाम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से किसानों का सशक्तीकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को 9 हजार रुपये की किसान सम्मान निधि और गेहूं के एमएसपी पर 150 रुपये अतिरिक्त बोनस भी दे रही है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि रासायनिक खेती के कारण आज देशभर में खेतों की मिट्टी का ऑर्गेनिक कार्बन निम्न स्तर तक पहुंच गया है, जो कि चिंताजनक है। उन्होंने सूक्ष्म जीव और मित्र कीट द्वारा मिट्टी को मुलायम करने और उर्वरकता बडाने की विशेषता का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन में कमी नहीं बल्कि वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करते हुए प्राकृतिक खेती करते हैं, जिसका उत्पादन रासायनिक खेती से कहीं अधिक होता है। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती का उल्लेख करते हुए किसान को राजाओं का राजा बताया, जो प्राणियों का पेट भरने का काम करता है। आचार्य देवव्रत ने कहा कि किसान का धन सबसे बडा धन होता है, क्योंकि वह खेत में मेहनत और कडी तपस्या करता है। जो पैदा करता है, वो भी सबकी सेवा में लगा देता है।

### मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मिल रहा प्राकृतिक खेती को बडावा : भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि हम प्रकृति की ओर लौटे और प्राकृतिक खेती के जरिए देश में पोषणयुक्त अन्न पैदा करें। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बडावा देने और किसानों की आय बडाने के लिए बेहतरीन कार्य हो रहा है। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, भारतीय जनता पार्टी के संगठन महामंत्री अजेय कुमार, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, मंत्री परिषद के सदस्य, सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बडी संख्या में किसान उपस्थित थे। इस दौरान प्राकृतिक खेती पर आधारित प्रदर्शनी एवं लघु नाटिका का मंचन भी किया गया।

### किसान प्राकृतिक खाद का उपयोग करें, लोगों को पोषणयुक्त खाद्यान्न उपलब्ध कराएं : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि कीटनाशकों का उपयोग कैंसर जैसी घातक बीमारियों का कारण बन रहा है। ऐसे में, किसान अपनी जिम्मेदारी समझते हुए खेती में प्राकृतिक खाद का उपयोग करें और लोगों को पोषणयुक्त खाद्यान्न उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि किसानों की हरसंभव मदद के लिए डबल इंजन की सरकार तत्पर है।

## जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज में संविदाकर्मी की मौत से हड़कंप

### कर्मचारियों का धरना

**जयपुर।** राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित एसएमएस मेडिकल कॉलेज परिसर में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक संविदा कर्मी ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान दीपक चरवाल के रूप में हुई है, जो महिला चिकित्सालय में नर्सिंग स्टाफ के रूप में पिछले चार वर्षों से सेवाएं दे रहा था। बताया जा रहा है कि अस्पताल प्रशासन के हालिया निर्णय से वह गहरे तनाव में था। जानकारी के अनुसार महिला चिकित्सालय से करीब 150 संविदा कर्मियों को कार्यमुक्त कर दिया गया, जबकि जेके लोन अस्पताल में भी लगभग 200 कर्मचारियों को हटाने का नोटिस जारी किया गया है। अचानक नौकरी जाने की स्थिति ने संविदाकर्मियों में भारी असंतोष पैदा कर दिया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में संविदाकर्मी एकत्र होकर धरने पर बैठ गए। कर्मचारियों का आरोप है कि लंबे समय से सेवाएं दे रहे कर्मियों को बिना किसी ठोस कारण के हटाना अन्यायपूर्ण है। मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब मृतक के परिजन और अन्य कर्मचारी एसएमएस इमरजेंसी के बाहर धरने पर बैठ गए। परिजन 50 लाख रुपये मुआवजा, आश्रित को नौकरी सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। फिलहाल अस्पताल परिसर में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। कुछ कर्मचारी आत्महत्या की चेतावनी भी दे रहे हैं, जिससे प्रशासन के सामने स्थिति को संभालना बड़ी चुनौती बन गया है। प्रशासन मामले को शांत कराने और समाधान निकालने के प्रयास में जुटा हुआ है।

### अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

## आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर 3 प्रतिष्ठान 180 दिनों के लिए सीज

**जयपुर।** नगर निगम जयपुर ने अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तीन प्रमुख प्रतिष्ठानों को 180 दिनों के लिए सीज कर दिया गया है। यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर अग्निशमन शाखा द्वारा की गई। उपायुक्त (फायर) प्रवीण कुमार के नेतृत्व में मुख्य अग्निषमन अधिकारी गौत्तमलाल की टीम ने निरीक्षण के दौरान गंभीर लापरवाही पाई। सीज किए गए प्रतिष्ठानों में टोंक रोड स्थित BROTZEIT 95 ROOFTOP, त्रिवेणी नगर चौराहा स्थित MASALA TRAILS ROOFTOP RESTAURANT और वीकेआई सीकर रोड स्थित THE COKE RESTAURANT AND BAR शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ राजस्थान नगरपालिकाएं अधिनियम, 2009 की धारा 194 के तहत कार्रवाई की गई।

# जेजेएम घोटालाः हाईकोर्ट से महेश जोशी को बड़ा झटका, याचिका खारिज

**जयपुर।** राजस्थान के पूर्व जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचईडी) मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेश जोशी की कथित जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाला मामले में मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। राजस्थान हाईकोर्ट ने शुक्रवार को उनकी गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी, जिससे उन्हें कोई राहत नहीं मिली और उनकी न्यायिक हिरासत बरकरार रही। न्यायमूर्ति उमाशंकर व्यास और न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण (हेबियस कॉर्पस) याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की गिरफ्तारी प्रक्रिया को अवैध बताया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमन अग्रवाल और नेहा गोयल ने दलील दी कि 7 मई को जयपुर स्थित आवास से महेश जोशी की गिरफ्तारी के दौरान एसीबी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के प्रावधानों का पालन नहीं किया। उनका कहना था कि परिवार को गिरफ्तारी के कारणों की लिखित जानकारी समय पर नहीं दी गई, जबकि

यह कानून के तहत अनिवार्य है। इसी आधार पर महेश जोशी की तत्काल रिहाई की मांग की गई थी। वहीं, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद और अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश चौधरी ने अदालत में कहा कि गिरफ्तारी पूरी तरह कानूनी और पारदर्शी तरीके से की गई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के समय परिवार के सदस्य मौजूद थे और उन्हें कार्रवाई की पूरी जानकारी थी। साथ ही, जांच अधिकारियों ने रोहित जोशी को फोन के माध्यम से भी लगातार सूचित किया था कि महेश जोशी को एसीबी मुख्यालय ले जाया जा रहा है और बाद में विशेष अदालत में पेश किया गया। राज्य सरकार की दलीलों से सहमत होते हुए हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी और विशेष अदालत के उस आदेश को सही ठहराया, जिसमें पहले ही गिरफ्तारी को वैध माना गया था। यह मामला वर्ष 2021 में अशोक गहलोत सरकार के दौरान जल जीवन मिशन के तहत हुए कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। जांच एजेंसियों के अनुसार, श्री श्याम ट्यूबवेल और श्री गणपति ट्यूबवेल सहित कुछ निजी कंपनियों ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इरकॉन के फर्जी अनुभव प्रमाणपत्रों के आधार पर पीएचईडी के करीब 960 करोड़ रुपये के ठेके हासिल किए थे। एसीबी का आरोप है कि इन कंपनियों ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य आरोपियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों के जरिए ठेके प्राप्त किए। वहीं, एसीबी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में टेंडर पास कराने और नियमों की अनदेखी के बदले कथित रिश्वत और कमीशन के लेनदेन के भी संकेत मिले हैं। महेश जोशी फिलहाल एसीबी और ईडी दोनों की जांच के दायरे में हैं। एसीबी जहां जल जीवन मिशन के ठेकों में कथित भ्रष्टाचार की जांच कर रही है, वहीं ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत समानांतर मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही है। हाईकोर्ट द्वारा गिरफ्तारी में हस्तक्षेप से इनकार किए जाने को महेश जोशी के लिए बड़ा कानूनी झटका माना जा रहा है। साथ ही इसे राजस्थान के चर्चित भ्रष्टाचार मामलों में एक महत्वपूर्ण न्यायिक घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा

## बारां में प्री-मानसून की झमाझम बारिश, सिरसा नदी में आया उफान, 13 जून को बारिश-अंधड़-मेघगर्जन का अलर्ट

**जयपुर।** राजस्थान में सक्रिय नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से शुक्रवार को पूर्वी भाग में हल्की से मध्यम बारिश और पश्चिमी भाग में कहीं-कहीं मेघगर्जन व तेज हवा के साथ बारिश दर्ज की गई। बारां जिले के शाहाबाद कस्बे में प्री-मानसून के चलते दो घंटे बारिश से कस्बे में बह रही सिरसा नदी में उफान आ गया। कस्बे में आंधी से कई पेड़ गिर गए। जयपुर में सुबह से तेज गर्मी का असर जारी रहा। हालांकि दोपहर बाद हवाओं की गति तेज रही। वहीं फतेहपुर, अलवर, कोटपूतली-बहरोड, श्रीगंगानगर में बारिश के साथ ओले गिरे। जयपुर मौसम केंद्र के मुताबिक बीते 24 घंटे में बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ मध्यम से तेज बारिश दर्ज की गई है। वहीं, सबसे अधिकतम तापमान जैसलमेर में 44.2, बाड़मेर में 42.7, चूरू में 42.3, सीकर व फतेहपुर में 43, फलोदी में 43.8 व बीकानेर में 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

### हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना

शनिवार को मौसम विभाग ने बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर व कोटा संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद तेज मेघगर्जन, तेज अंधड़ (हवा की गति 50 से 60 किमी. प्रतिघंटे) के साथ कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार 12 से 18 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान में बारिश सामान्य से अधिक होने की उम्मीद है, जबकि पूर्वी राजस्थान में यह सामान्य से कम होगी।

### प्रदेश में सामान्य से कम बारिश के आसार

19 से 25 जून में राज्य में बारिश की गतिविधियां धीमी रहेगी। इस दौरान प्रदेश में सामान्य से कम बारिश के आसार है इस दौरान तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया जा सकता है। वहीं श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ शहर में शुक्रवार शाम तूफानी हवाओं के साथ हुई बरसात के आगे बिजली तंत्र पत्तों की तरह बिखर गया। शहर सहित ग्रामीण अंचल में अनेक स्थानों पर जोधपुर विद्युत वितरण निगम के विद्युत पोल धराशायी हो गए, जिससे बड़े क्षेत्र की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई। निगम के अनुसार रात्रि आठ बजे तक शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में करीब 60 विद्युत पोल क्षतिग्रस्त होने का आंकलन किया जा चुका था। नुकसान का आंकलन और मरम्मत कार्य देर रात तक जारी रहा।

## 15 जून से 15 जुलाई तक लगेंगे 'शहरी सेवा शिविर'

### सांगानेर से होगी शुरुआत, आयुक्त ओम कसेरा ने आवश्यक दिशा-निर्देश

**जयपुर।** नगर निगम जयपुर द्वारा राज्य सरकार के निर्देशानुसार 15 जून 2026 से 15 जुलाई 2026 तक शहरी सेवा शिविर 2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 15 जुलाई तक का षिविर कार्यक्रम जारी कर दिया है। सोमवार को सांगानेर जोन के अम्बेडकर भवन, सामुदायिक केन्द्र सांगानेर जोन कार्यालय पर षिविर आयोजित किया जायेगा। जिसके प्रभारी अधिकारी उपायुक्त डॉ. रवि कुमार गोयल को नियुक्त किया गया है। 15 जून 2026 से 15 जुलाई 2026 तक जोन कार्यालयों एवं सामुदायिक केन्द्रों पर षिविर आयोजित किये जायेगे। इन षिविरों के आयोजन का समय प्रातः 9.30 बजे से सायं 6.00 बजे तक रहेगा। उक्त सभी कैम्पों के समग्र प्रभारी उपायुक्त अषोक कुमार शर्मा होगे। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने बताया कि ''शहरी सेवा शिविर-2026'' के तहत आमजन से प्राप्त विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जायेगा। इन षिविरों का मुख्य उद्देष्य शहरी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को समस्त सेवाऐं उपलब्ध करवाने तथा उनसे संबंधित अन्य प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर नागरिकों को राहत प्रदान करना है जिसके लिये नगर निगम द्वारा भी आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिष्चित किया जायेगा। षिविर में आमजन को किसी तरह की परेषानी ना हो इसके लिये बिजली, पानी, बैठने की व्यवस्था, छाया आदि की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। षिविर में चिन्हित समस्याओं लंबित प्रकरणों में प्राप्त आवेदनों, प्रार्थना पत्रों, सुझावों का तत्परता से समाधान व निस्तारण किया जायेगा। आमजन की सुविधा एवं जानकारी हेतु षिविरों में हेल्प डेस्क भी लगाई जायेगी। शहरी सेवा षिविर में आवेदन ऑनलाइन ही स्वीकार किये जायेगे किन्तु कोई ऑफलाइन आवेदन प्राप्त होता है तो उस स्थिति में समस्त प्रकरणों को संबंधित अधिकारी द्वारा ऑनलाइन किया जाना सुनिष्चित किया जायेगा। 6. लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे जारी करना। 7. अनुमोदित योजनाओं के पट्टे/69-ए, 54-ई, 50-बी, 60-सी के अंतगर्त पट्टे/उपविभाजन-पुर्नगठन/भू-उपयोग परिवर्तन/नामान्तरण/खांचा भूमि/लीज मुक्ति प्रमाण पत्र/भवन निर्माण स्वीकृति आदि अन्य प्रकरणों का निस्तारण किया जायेगा। 6. यू.डी टैक्स जमा करवाने की सुगम व्यवस्था की जायेगी।

## नेशनल हाईवे पर कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवतियों सहित तीन की मौत

**अजमेर।** जिले के बांदनवाड़ा क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार शाम हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। हादसे में दो युवतियों और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में शोक का माहौल है।पुलिस के अनुसार बाइक सवार तीनों युवक-युवतियां राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक कार की चपेट में आने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान अजमेर के झड़वासा निवासी सम्राट नायक, किटाप निवासी अर्चना जांगिड़ और शिवानी तिवारी के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों के शव मोर्चरी में रखवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वहीं दूसरी तरफ गेगल थाना क्षेत्र में अजमेर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को चलती कार में भीषण आग लग गई। कार आग के गोले में तब्दील हो गई। चालक ने कार से कूदकर किसी तरह जान बचाई। कार अजमेर से जयपुर की ओर जा रही थी। गगवाना पुलिया के निकट अचानक इसमें धुआं निकलता दिखाई दिया। जल्द आग ने कार को अपनी चपेट में ले लिया। चालक तत्काल कार को सड़क किनारे रोककर बाहर निकल गया। कुछ ही मिनटों में कार धू-धू कर जलने लगी। हाइवे पर जलती कार को देखकर राहगीरों और अन्य वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही गेगल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया गया। फायरकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कार पूरी तरह जलकर कबाड़ बन गई। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई।

### कुछ समय प्रभावित हुआ यातायात

आग लगने के कारण कुछ देर तक हाइवे पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित किया। स्थिति सामान्य होने के बाद यातायात को फिर से सुचारु करवाया गया। गेगल थाना के एएसआई गोविंद ने बताया कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। कार चालक सुरक्षित है। कार में सीएनजी किट लगी हुई थी। प्रथम दृष्टया मामला शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी सामने आई है। आग के वास्तविक कारणों की जांच जारी है।

# एक ग्राहक को 200 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं

**कॉमर्शियल यूजर रिटेल पेट्रोल पंप से ईंधन नहीं खरीद पाएंगे, इनके लिए डीजल करीब 40 महंगा**

**नई दिल्ली।** आम ग्राहक एक दिन में अधिकतम 200 लीटर ही डीजल खरीद पाएंगे। इस डीजल को दोबारा बेचने पर पूरी तरह रोक रहेगी। इसके अलावा अब फैक्ट्रियों और कॉमर्शियल यूजर्स को रिटेल आउटलेट से ईंधन नहीं मिलेगा। केंद्र सरकार ने 11 जून 2026 को इसे लेकर आदेश जारी किया है। अब इन बड़े उपभोक्ताओं को केवल बल्क सेल पॉइंट्स से ही ईंधन खरीदना होगा। सरकार ने यह कदम देश के कुछ हिस्सों में रिटेल पंपों पर अचानक बढ़ी असामान्य बिक्री को देखते हुए उठाया है। यह पाबंदी शुरुआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू की गई है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की किल्लत नहीं होगी।

# शूटर जसपाल राणा का निधन

**कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 गोल्ड जीते, अपने कोच के निधन का पता चलते ही मनु भाकर ने ट्रेनिंग रोकी**

**नई दिल्ली।** भारत के दिग्गज शूटर जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। 1 जून को जर्मनी से लौटते समय फ्लाइट में 49 साल के राणा की तबीयत बिगड़ी थी। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके हार्ट में स्टेंट डाला गया था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट कालीकेश नारायण सिंह देव ने उनके निधन की पुष्टि की। जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 बार गोल्ड मेडल जीते थे। इनमें लगातार 4 एडिशन के गोल्ड शामिल रहे। राणा पेरिस ओलिंपिक में डबल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर के कोच भी थे। उन्हें फरवरी 2025 में 25 मीटर पिस्टल के लिए भारतीय जूनियर टीम का हाई परफार्मेंस कोच बनाया गया था।

## कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में 23 मेडल जीते

जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स को मिलाकर कुल 23 मेडल अपने नाम किए थे। इनमें एशियन गेम्स में 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मिलाकर कुल 8 मेडल थे। कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज को मिलाकर कुल 15 मेडल जीते थे। उन्हें 18 साल की उम्र में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। जसपाल राणा ने कई इंटरनेशनल इवेंट्स में मेडल जीते, लेकिन 1994 में मिलान वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में उनकी जीत यादगार रही। प्रतियोगिता से एक दिन पहले उनके घुटने में फोड़ा हो गया था। डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी की सलाह दी और अस्पताल से छुट्टी देने से इनकार कर दिया था। डॉक्टरों की सलाह के उलट जसपाल और उनके कोच सनी थॉमस ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का फैसला किया, लेकिन अस्पताल से निकलने के बाद उसी रात फोड़ा फूट गया, जिससे उनका दर्द बढ़ गया। वे अपनी जींस तक नहीं उतार पा रहे थे। ऐसे में उन्होंने जींस को फाड़कर हाफ पैंट बनाई और उसे पहनकर ही अगली सुबह प्रतियोगिता में उतरे।

# फुटबॉल वर्ल्डकप जीतने का सबसे बड़ा दावेदार स्पेन

**18 साल के यमाल ताकत; फ्रांस नंबर-2; जानिए मेसी की अर्जेंटीना किस नंबर पर है**

**नई दिल्ली।** फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत हो चुकी है। दुनिया की 48 बेस्ट टीमें खिताब के लिए भिड़ रही हैं। ऑप्टा सुपरकंप्यूटर और EPSN ने एनालिसिस किया और कहा कि इस वर्ल्ड कप की सबसे बड़ा दावेदार स्पेन है। इस टीम का सबसे चर्चित चेहरा हैं 18 साल के लेमिन यमाल। उन्हें 16 गोल करने के लिए स्पेन के सबसे बड़े टूर्नामेंट ला लीगा का प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया। साथ ही रोड्री और पेड्री जैसे भरोसेमंद मिडफील्डर्स के ये टीम ताकतवर हैं। 2018 का वर्ल्ड कप जीत चुकी फ्रांस इस बार दूसरी बड़ी दावेदार है, जिसके स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बापे इन-फॉर्म हैं। जिन्होंने पिछले वर्ल्ड कप में गोल की हैट्रिक बनाई थी। वर्ल्ड कप में फ्रांस की टीम का नेतृत्व एम्बापे के हाथ में ही है।

# मानसून झारखंड-ओडिशा पहुंचा, 9 दिन में 19 राज्य कवर

## एमपी में आंधी-बारिश से 4 लोगों की मौत, राजस्थान समेत 22 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट

**भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना।** देश में मानसून लगातार आगे बढ़ रहा है। शुक्रवार को झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में इसकी एंट्री हो गई। हालांकि, महाराष्ट्र में मानसून की रफ्तार अभी धीमी ही है। अगले 3 दिन में मानसून के छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में एंट्री करने की संभावना है। 4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 9 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। IMD के मुताबिक, गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून एक्टिव है। आज मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत 22 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। कई जगह 60किमी. तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। एमपी के श्योपुर जिले में आज आंधी-बारिश में एक ही परिवार के 3 लोगों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं बिहार में गुरुवार को 12 जिलों में आंधी-बारिश हुई। बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई। वहीं इधर दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में गुरुवार रात कई इलाकों में 70-80किमी. की रफ्तार से हवाएं चलीं। इससे तेज गर्मी से राहत मिली।

### राजस्थान में चलेगी धूल भरी आंधी, तेलंगाना में हीटवेव का अलर्ट

मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब समेत 22 राज्यों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में धूल भरी आंधी चल सकती है। महाराष्ट्र से लगे कोंकण और गोवा में मौसम उमस भरा रहेगा। कर्नाटक और केरलम में समुद्र की तरफ से तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं तेलंगाना, विदर्भ और आंध्र प्रदेश के समुद्री जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। यहां पारा 40 से 45डिग्री के बीच रह सकता है।

### अमेरिकी मौसम एजेंसी ने अल नीनो शुरू होने की पुष्टि की

अमेरिकी नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन ने अल नीनो शुरू होने की पुष्टि कर दी है। वैज्ञानिकों के मुताबिक गर्म होते प्रशांत महासागर में अल नीनो बन गया है। अनुमान है कि यह 1997 में शुरू हुए उस रिकॉर्ड अल नीनो के बराबर या उससे भी ज्यादा शक्तिशाली होगा। इस बात की 63त्न संभावना है कि अल नीनो इस साल के आखिर में इतना तेज हो जाएगा कि यह 1950 के बाद से दर्ज किए गए सबसे बड़े अल नीनो घटनाक्रमों में शामिल हो जाएगा।

### गर्मी से राहत नहीं, 11 राज्यों में पारा अब भी 40डिग्री पार

बारिश के बावजूद यूपी, दिल्ली, राजस्थान, एमपी, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना और हरियाणा के कई शहरों में पारा 40डिग्री से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा पंजाब के बठिंडा में दर्ज किया गया। यहां पारा 46.2डिग्री रहा। वहीं राजस्थान के श्रीगंगानगर में पारा 44.6डिग्री, यूपी के झांसी में 43.4डिग्री, महाराष्ट्र के वर्धा में 44.5डिग्री और एमपी के खजुराहो में 43डिग्री दर्ज किया गया।

**13 जून:** दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है। 50-70किमी. की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश के साथ ओले गिरने की आशंका। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश होगी। कर्नाटक और केरलम के तटीय जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। **14 जून:** दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में आंधी-बारिश हो सकती है। कई जगह 50-70किमी की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में ओले गिरने की आशंका है। बिहार, झारखंड और ओडिशा में तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। बिहार के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं ओले गिरने की आशंका है।

# जिले मे "ग्रामीण सेवा शिविरों" का शुभारंभ

## चिकित्सा विभाग द्वारा आमजन को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाएं

**जयपुर द्वितीय।** राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण की विभिन्न योजनाओं एवं फ्लैगशिप योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए शुक्रवार को जिले भर में जन कल्याण शिविरों के अंतर्गत ग्रामीण सेवा शिविर-2026 का शुभारंभ हुआ। इसके अन्तर्गत चिकित्सा विभाग द्वारा आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि शुक्रवार से प्रारंभ हुए ग्रामीण सेवा शिविर आगामी 15 जुलाई 2026 तक आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में चिकित्सा विभाग द्वारा समस्त 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की एनसीडी स्क्रीनिंग की जाएगी। साथ ही उनकी बीपी, शुगर एवं कॉमन कैंसर (सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, ओरल कैंसर) की जांच की जाएगी। एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत 14-15 वर्ष आयुवर्ग की बालिकाओं का नि:शुल्क टीकाकरण किया जाएगा। आमजन की आभा आईडी बनाई जाएगी। बीपी एवं शुगर की जांच में पॉजिटिव पाए गए एवं फॉलोअप पर आने वाले मरीजों का नियमानुसार उपचार कर एनसीडी पोर्टल पर आभा आईडी के माध्यम से डेटा इन्द्राज किया जाएगा। उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. सुरेन्द्र कुमार गोयल ने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविरों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की जाएगी। जिसमे महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, ओरल, ब्रेस्ट एवं सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग, सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग (ट्राइबल एरिया)। के साथ बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी रोग की स्क्रीनिंग की जाएगी। पोषण किट वितरण के साथ निक्षय मित्र बनाए जाएंगे। पीएमजेएवाई कार्ड बनाकर वितरित किए जाएंगे।

# तेंदुलकर ने फ्लाइट में परिवार के साथ क्रिकेट खेला

**बेटी सारा ने कैच पकड़ा; लिखा- एटीट्यूड नहीं बदलना चाहिए, भले ऑल्टीट्यूड कुछ भी हो**

**नई दिल्ली।** सचिन तेंदुलकर परिवार के साथ फ्लाइट में क्रिकेट खेलते नजर आए। 53 साल के पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने शुक्रवार को इसका 31 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। उन्होंने लिखा, एटीट्यूड नहीं बदलना चाहिए, भले ऑल्टीट्यूड कुछ भी हो। वीडियो में सचिन उल्टे बल्ले से बेटी सारा तेंदुलकर और बहू सानिया चंडोक के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं। सानिया गेंदबाजी करती दिखीं, जबकि उनकी एक गेंद पर सारा ने सचिन का कैच पकड़ लिया। इसके बाद तीनों हंसते नजर आए और इस हल्के-फुल्के पल का आनंद लेते दिखे। तेंदुलकर 28 अप्रैल को पालघर के गुहिर गांव पहुंचे थे। वहां उन्होंने बच्चों के बीच क्लाइमेट स्मार्ट विलेज प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी।

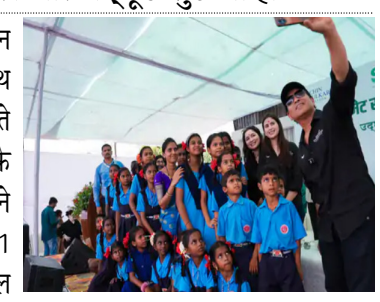

# ट्रम्प बोले- ईरान के साथ आज जंग खत्म हुई:वे कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे

**ईरान बोला- अभी हमने कोई फैसला नहीं लिया**

**तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध खत्म कर दिया है। एक वर्चुअल रैली में ट्रम्प ने अपने समर्थकों से यह बात कही। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि शांति समझौते पर अभी कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है। इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील को मंजूरी कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर इसी सप्ताह यूरोप में साइन हो सकता है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसमें शामिल होंगे। **अमेरिकी हमलों में 3 भारतीय नाविकों की मौत:** अमेरिकी सेना ने 10 जून को ओमान तट के पास भारतीय क्रू मेंबर वाले सेंटेबेलो जहाज पर हमला किया।

# मैगी के पैकेट में कीड़े मिलने पर नेस्ले को नोटिस

## एफएसएसएआई ने बैच मार्केट से हटाने के आदेश दिए, केएफसी-फ्लिपकार्ट से भी जवाब मांगा

**नई दिल्ली।** भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण मैगी में कीड़े मिलने की शिकायत के बाद नेस्ले कंपनी को नोटिस भेजा है। सोशल मीडिया पर आई शिकायतों के आधार पर FSSAI ने कंपनी से जवाब मांगा है और तुरंत एक्शन टेकन रिपोर्ट देने को कहा है। मैगी के जिस बैच को लेकर शिकायत मिली है, FSSAI ने उसे बाजार से तुरंत हटाने के निर्देश भी दिए हैं। इसके अलावा, साफ-सफाई से जुड़ी शिकायतों को लेकर फास्ट-फूड चेन KFC को भी नोटिस जारी किया गया है। वहीं, खजूर के एक प्रोडक्ट में कीड़े मिलने की शिकायत पर फ्लिपकार्ट इंडिया और ओपन सीक्रेट से भी जवाब तलब किया गया है। FSSAI का कहना है कि उपभोक्ताओं की शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है और सभी कंपनियों से मामले में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

### नेस्ले ने कहा- मैगी में कीड़े होने के आरोप गलत

नेस्ले इंडिया ने मैगी में कीड़े मिलने के आरोपों को खारिज किया है। उसके प्रवक्ता ने कहा, हम एक अनवेरिफाइड सोशल मीडिया अकाउंट के आधार पर मीडिया में चल रहे कीड़े या इन्फेस्टेशन के आरोपों को पूरी तरह नकारते हैं। शिकायत करने वाले का अकाउंट अनरीचेबल (संपर्क से बाहर) होने के कारण हमें अभी तक शिकायत वाला सैंपल नहीं मिल सका है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने बैच के क्वालिटी रिकॉर्ड्स, मार्केट सैंपल्स और टेस्ट रिपोर्ट्स के साथ सक्षम अधिकारियों के सामने एक डिटेल्ड प्रजेंटेशन पहले ही जमा कर दिया है।

### FSSAI ने नेस्ले से 3 खास बिंदुओं पर मांगा जवाब

**कच्चा माल कहां से आया, जांच कैसे हुई:** नेस्ले को बताना होगा कि जिस बैच में शिकायत मिली, उसका कच्चा माल किस सप्लायर से आया था। साथ ही पैकेट बाजार में भेजने से पहले उसकी क्वालिटी जांच से जुड़े सभी रिकॉर्ड देने होंगे। **बाजार से स्टॉक हटाने के लिए क्या किया:** कंपनी को जानकारी देनी होगी कि शिकायत वाले बैच या उससे जुड़े संभावित प्रभावित उत्पादों को बाजार और सप्लाई चेन से हटाने के लिए उसने तत्काल क्या कदम उठाए हैं। **भविष्य में ऐसी घटना रोकने की क्या तैयारी है:** FSSAI ने नेस्ले से पूछा है कि वह अपने क्वालिटी कंट्रोल सिस्टम में क्या बदलाव करने जा रही है, ताकि आगे ऐसी शिकायतें दोबारा न आएं।

### लैब रिपोर्ट में नहीं मिला कोई कीड़ा

नेस्ले इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, कंपनी के सभी प्लांट्स में गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा के सख्त मानकों का पालन किया जाता है। कंपनी ने संबंधित बैच और बाजार से लिए गए सैंपल की जांच कराई है। साथ ही FSSAI से मान्यता प्राप्त लैब में भी परीक्षण कराया गया, जिसमें किसी भी तरह के कीड़े या संक्रमण के प्रमाण नहीं मिले। कंपनी ने कहा कि वह जांच एजेंसियों के साथ पूरी पारदर्शिता से सहयोग कर रही है और उसे भरोसा है कि जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी।

### 2015 में मैगी में लेड मिलने का मामला आया था

यह मामला नेस्ले के लिए इसलिए संवेदनशील माना जा रहा है, क्योंकि मैगी कंपनी के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा बिकने वाले ब्रांड्स में से एक है। साल 2015 में भी मैगी बड़ा विवाद झेल चुकी है। तब FSSAI ने मैगी में तय सीमा से ज्यादा लेड (सीसा) और MSG लेबलिंग से जुड़े मुद्दों पर कार्रवाई करते हुए इसे बाजार से वापस मंगाने का आदेश दिया था। उस विवाद से नेस्ले की बिक्री और ग्राहकों का भरोसा दोनों प्रभावित हुए थे। कंपनी को अपनी छवि और बाजार में भरोसा दोबारा बनाने में कई साल लगे। ऐसे में अब मैगी के एक पैकेट में कीड़े मिलने की शिकायत पर FSSAI का नोटिस नेस्ले के लिए अहम माना जा रहा है। भले ही मामला अभी जांच के स्तर पर हो, लेकिन इससे कंपनी की साख और उपभोक्ताओं के भरोसे पर असर पड़ सकता है।

# आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर पथराव

## फिरोजाबाद में शताब्दी एक्सप्रेस का एससी-1 कोच बना निशाना, कानपुर से दिल्ली जा रहे थे

**कानपुर।** फिरोजाबाद में संघ प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर गुरुवार शाम को पथराव हुआ। पत्थर सीधे उसी बोगी पर लगा, जिसमें वह बैठे थे। इससे खिड़की का शीशा टूट गया। भागवत कानपुर से शताब्दी एक्सप्रेस से नई दिल्ली जा रहे थे। भागवत एग्जीक्यूटिव क्लास के एससी-1 कोच में थे। ट्रेन जब मक्खनपुर-फिरोजाबाद के बीच से गुजर रही थी, तभी अचानक बोगी को निशाना बनाकर पत्थर फेंका गया। गनीमत रही कि इस पथराव में संघ प्रमुख सुरक्षित रहे। सुरक्षा को देखते हुए ट्रेन को बीच रास्ते में कहीं भी नहीं रोका गया। घटना की सूचना मिलते ही टूंडला जंक्शन पर रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के आला अधिकारी भारी फोर्स के साथ मुस्तैद हो गए। शाम 7:34 बजे जैसे ही शताब्दी एक्सप्रेस टूंडला जंक्शन के प्लेटफॉर्म पर आकर रुकी, सुरक्षा घेरा बेहद सख्त कर दिया गया। टूंडला जंक्शन पर सुरक्षा जांच करने के बाद ट्रेन को शाम 7:41 बजे दिल्ली रवाना कर दिया गया। वहीं, आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीमों ने मक्खनपुर-फिरोजाबाद रेल खंड के आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। इससे पहले भागवत गुरुवार दोपहर करीब 2:30 बजे नीतू सिंह की बेटी के आशीर्वाद समारोह में शामिल होने पहुंचे। नीतू सिंह कानपुर के पूर्व भाजपा सांसद सत्यदेव पचौरी की बड़ी बेटी हैं। नीतू सिंह की बेटी वसुंधरा और यश की 21 जून को शादी है। कुछ समय यहां रुकने के बाद भागवत लौट गए। इस दौरान नीतू सिंह ने भागवत के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उनका अभिवादन किया। इस आशीर्वाद समारोह में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, यूपी सरकार में मंत्री सूर्यप्रताप शाही, योगेंद्र उपाध्याय, भूपेंद्र चौधरी मंत्री समेत कई वीआईपी शामिल हुए। इसे देखते हुए शहर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। नीतू सिंह का परिवार लंबे समय से संघ से जुड़ा रहा है।

# नीट यूजी परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए आई गुड न्यूज, अब मिलेंगे 15 मिनट एक्सट्रा

**नई दिल्ली।** मेडिकल के स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अब परीक्षा के लिए अतिरिक्त 15 मिनट मिलेंगे। रफ कार्य के लिए अब दो अतिरिक्त पेज भी मिलेंगे। 21 जून को दोबारा होने वाली मेडिकल के स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा से पहले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने यह निर्णय लिया है।

### नीट-यूजी 2026: 15 मिनट मिलेंगे एक्स्ट्रा

एनटीए ने नीट-यूजी 2026 के अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए कई फैसलों की शुक्रवार को जानकारी दी। एनटीए के अनुसार, परीक्षा के लिए समयसीमा 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट कर दी गई है। नीट- यूजी 2026 का आयोजन दोपहर दो बजे से शाम 5:15 बजे तक किया जाएगा। यह समय-सीमा परीक्षा की शुरुआत और आखिर में होने वाली निगरानी संबंधी औपचारिकताओं (जैसे हस्ताक्षर करने की जरूरत) को ध्यान में रखकर तय की गई है।

### एक एक्स्ट्रा रफ सीट भी मिलेगी

परीक्षार्थी महसूस करते रहे हैं कि इन औपचारिकताओं की वजह से उन्हें प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कम समय मिलता है। इसके साथ ही एनटीए ने प्रश्न-पत्र बुकलेट में रफ कार्य के लिए दिए गए पेजों की संख्या भी दो से बढ़ाकर चार कर दी है। परीक्षार्थी रफ कार्य के लिए बुकलेट की शुरुआत और आखिर में दिए गए रफ-वर्क पेजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक और बदलाव के तहत एनटीए ने बाएं हाथ से लिखने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रफ-वर्क वाले पेजों की जगह को नए सिरे से व्यवस्थित किया है।

### पहले एक सीट ही दी जाती थी

पहले, रफ-वर्क के लिए पेज सिर्फ बुकलेट के आखिर में दिए जाते थे। नई व्यवस्था के तहत, अंग्रेजी और क्षेत्रीय-भाषा वाले प्रश्न पत्र, दोनों में ही बुकलेट के आखिर में दिए जाने वाले पेजों के साथ ही, इंस्ट्रक्शन पेज के ठीक बाद शुरुआत में भी रफ-वर्क के लिए दो पेज दिए जाएंगे। बुकलेट में आगे और पीछे दोनों तरफ रफ-कार्य के लिए जगह दिए जाने से परीक्षार्थी आराम से रफ कार्य कर सकेंगे। यह ख़ास तौर पर उन उम्मीदवारों के लिए मददगार है जो बाएं हाथ से लिखते हैं।

### राजदूत का पद संभालते दोरैस्वामी अचानक क्यों पहुंच गये तिब्बत? चीन भी हैरान

**बीजिंग।** भारतीय राजदूत विक्रम दोरैस्वामी तिब्बत में स्थानीय अधिकारियों के साथ बातचीत करने और कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं की संयुक्त समीक्षा करने के लिए पहुंचे हैं। यह उनका मई में पदभार ग्रहण करने के बाद तिब्बत का पहला दौरा है। राजदूत दोरैस्वामी और दूतावास के सहयोगी गुरुवार को ल्हासा पहुंचे, जहां उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए स्थानीय सरकारी अधिकारियों द्वारा की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। दूतावास के एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट के अनुसार, तीर्थयात्री इस महीने के अंत में पहुंचने वाले हैं। राजदूत ने तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के उपाध्यक्ष झाओ पेंग से मुलाकात की, जिन्होंने तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं और तैयारियों पर विस्तृत जानकारी दी।

# भारतीय सेना को मिले 106 कामिकाजे ड्रोनः 180 किमी की रेंज

## 450किमी./घंटा की रफ्तार: न जैमिंग का असर, न टारगेट से भटकेंगे

**नई दिल्ली।** भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए स्वदेशी रक्षा कंपनी SMPP ने सेना को 106 टर्बोजेट इंजन से चलने वाले 'कामिकाजे' ड्रोन सौंप दिए हैं। इन्हें 'पीसकीपर (अग्निवेग)' नाम दिया गया है। यह ड्रोन 180किमी. की रेंज तक हमला कर सकते हैं। साथ ही 450किमी. की रफ्तार पकड़ सकते हैं। यानी इसकी रफ्तार दुनिया में सबसे तेज उड़ने वाले पेरेग्रिन फाल्कन पक्षी की रफ्तार 320किमी./घंटा से भी ज्यादा है। इतना ही नहीं इन पर न जैमिंग का असर होगा, न कोई स्पूफिंग के जरिए इन्हें टारगेट से भटका सकेगा। कंपनी ने कहा है कि उसने 100 ऑपरेशनल और 6 ट्रेनिंग ड्रोन सेना को सौंप दिए हैं। यह डिलीवरी भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और अनमैन्ड वारफेयर में उपलब्धि मानी जा रही है। इन्हें बेलारूसी फर्म केबी इंडेला की मदद से तैयार किया गया है। कंपनी का दावा है कि यह ड्रोन पूरी तरह ऑटोनॉमस प्रिसिजन स्ट्राइक मिशन अंजाम दे सकता है। यानी लक्ष्य निर्धारित होने के बाद यह बिना किसी इंसानी दखल के मिशन पूरा कर देगा।

### कामिकाजे ड्रोन्स क्या हैं

कामिकाजे ड्रोन ऐसे ड्रोन होते हैं जो लक्ष्य पर हमला करते समय खुद भी नष्ट हो जाते हैं। इन्हें लॉइटरिंग म्यूनिशन भी कहा जाता है। कामिकाजे नाम सेकेंड वर्ल्ड वार के कामिकाजे अटैक से लिया गया है। जब जापानी पायलट अपने विमानों को दुश्मन के जहाजों से टकराकर आत्मघाती हमला करते थे। जब किसी ड्रोन लॉन्च किया जाता है, तब वह काफी देर तक हवा में मंडराता है। कैमरे और सेंसर से टारगेट खोजता है। उसके मिलने पर उसकी ओर तेजी से बढ़ता है और टकराते ही विस्फोट कर देता है। इन ड्रोन्स का फायदा है कि अपेक्षाकृत सस्ते होते हैं। सटीक हमला कर सकते हैं। सैनिकों की जान सीधे खतरे में नहीं डालते। टैंक, रडार, तोप और सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकते हैं।

### विस्फोट का दायरा केवल 5 मीटर, यानी जानमाल का कम नुकसान

अग्निवेग में अहम मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स हब, कमांड सेंटर, रडार इंस्टॉलेशन और दूसरे रणनीतिक ठिकानों पर सटीक हमला करने की क्षमता है। ट्रायल के दौरान अग्निवेग ने जैमिंग और स्पूफिंग वाले माहौल में काम करते हुए 5 मीटर से कम का सर्कुलर एरर प्रोबेबल हासिल किया। सरल शब्दों में कहें तो यह ड्रोन अपने टारगेट को बेहद करीब जाकर हमला करने में सक्षम है। इससे किसी सैन्य ठिकाने के केवल एक हिस्से को निशाना बनाया जा सकता है। इससे टारगेट के आसपास मौजूद सिविलियन स्ट्रक्चर का कम नुकसान होता है।

### दिल्ली की कंपनी ने 6 महीने में तैयार किए, एडवांस्ड वर्जन भी बनाएगी

**SMPP** के सीईओ और निदेशक आशीष कंसल ने कहा कि केवल 6 महीने के भीतर भारतीय सेना को ड्रोन की आपूर्ति करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध अब सटीकता, स्वायत्तता और कॉस्ट इफेक्टिव हो रहे हैं। ऐसे सिस्टम युद्धक्षेत्र में 'फोर्स मल्टीप्लायर' साबित हो रहे हैं। अग्निवेग में 75% से ज्यादा स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी ने सेना को अग्निवेग का एडवांस्ड वर्जन देने की पेशकश भी की है।

# दिल्ली होटल अग्निकांड में पुलिस जांच पर उठे गंभीर सवाल

## रसूखदारों को बचाने रसोइए को बनाया 'बलि का बकरा', हादसे में अब तक गईं 23 जानें

**नई दिल्ली।** दिल्ली के मालवीय नगर स्थित 'फ्लोरिस स्टे' होटल अग्निकांड मामले में दिल्ली पुलिस की जांच पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सिविल सोसायटी, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों का आरोप है कि रसूखदार होटल मालिकों, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और पुलिस अधिकारियों को बचाने के लिए होटल के 65 वर्षीय रसोइए केशव सिंह नेगी को 'बलि का बकरा' बनाया जा रहा है। 3 जून को हुए इस भयानक हादसे में अग्रवाल परिवार के 8 सदस्यों सहित नाइजीरिया, किर्गिस्तान, मोजाम्बिक, उज्बेकिस्तान, बांग्लादेश, कांगो, लाइबेरिया और इराक के 15 विदेशी नागरिकों समेत कुल 23 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 30 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

### पुलिस ने केशव पर 5 गंभीर आपराधिक धाराएं लगाई हैं

पुलिस का आरोप है कि आग लगने पर रसोइया केशव दरवाजा और बिजली का स्विच बंद कर भाग गया था। पुलिस ने उस पर 5 गंभीर आपराधिक धाराएं लगाकर उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जिसका अब चौतरफा विरोध हो रहा है। लोगों का कहना है कि होटल में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और खामियों की मुख्य जिम्मेदारी प्रबंधन और मालिकों की होती है, न कि वहां काम करने वाले किसी मामूली कर्मचारी की।

### लाइसेंस खत्म होने के बाद भी 2 महीने तक चलता रहा होटल

एमसीडी के सिटी जोन की पूर्व चेयरमैन रेणुका गुप्ता ने होटल हादसे के लिए जिम्मेदार अफसरों पर गैर-इरादतन हत्या (धारा 105) के तहत कार्रवाई न करने और गिरफ्तारी न होने पर सवाल उठाए। उन्होंने अवैध रूप से बने 20 कमरों के लिए बिल्डिंग विभाग के इंजीनियरों को जिम्मेदार ठहराया और मार्च में लाइसेंस खत्म होने के बाद भी होटल चलने देने के लिए दिल्ली टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (डीटीडीसी) की भूमिका पर सवाल उठाए।

### फॉर्म सी नियम की अनदेखी, पुलिस की कार्यशैली पर सवाल

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सरदार इंद्रजीत सिंह निरमान ने इस मामले में स्थानीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनकी कार्यशैली पर बड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिकों को ठहराने वाले हर होटल या गेस्टहाउस के लिए 24 घंटे के भीतर 'फॉर्म सी' जमा करना कानूनन जरूरी है। स्थानीय पुलिस की जिम्मेदारी विदेशी मेहमानों का रिकॉर्ड रखने और उन पर नजर रखने की है, ताकि कोई संदिग्ध न रह सके।

### एसडीएम ने माना कि बिजली बंद होने से टला बड़ा हादसा

सिविल सोसायटी का कहना है कि केशव नेगी की गिरफ्तारी पूरी तरह गलत है। उस पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) समेत 5 धाराएं लगाई गई हैं। यह एक गैर-जमानती अपराध है, जिसमें 10 साल तक की जेल हो सकती है। धारा 105 तब लागू होती है जब किसी को पता हो कि उसके काम से मौत हो सकती है। पुलिस का दावा है कि आग लगने पर बिजली बंद करने से अंधेरा हुआ, जिससे लोगों की जान गई। लेकिन, केशव नेगी ने फायर फाइटिंग के नियमों का पालन करते हुए सतर्कता दिखाई। ममगांई ने कहा कि वे सिविल डिफेंस के वालंटियर रहे हैं और फायर फाइटिंग, बचाव व आपातकालीन उपायों का प्रशिक्षण लिया है, जिसमें कहा जाता है कि आग से सुरक्षा के लिए विद्युत कनेक्शन बंद करना पहला कदम है। खुद स्थानीय एसडीएम जितेंद्र कुमार ने माना है कि समय पर बिजली बंद होने से बड़ा हादसा टल गया। सिविल डिफेंस के जानकारों का भी यही मानना है।

# सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में मिली सजा रद्द की

## पीड़िता को पति ने छोड़ा तो आरोपी ने ही शादी की, 10 लाख का मुआवजा भी दिया

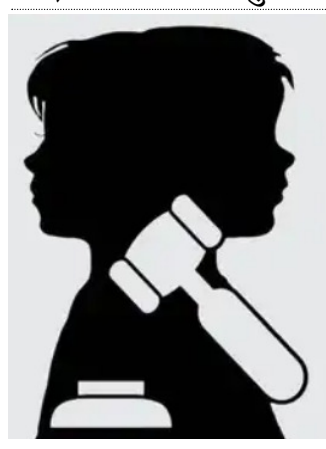

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में मिली सजा रद्द कर दी। कोर्ट ने यह फैसला इसलिए लिया, क्योंकि आरोपी और पीड़िता ने बाद में शादी कर ली और आरोपी ने पीड़िता को 10 लाख रुपए का मुआवजा भी दिया। कोर्ट का कहना है कि बालिग होने के बाद पीड़िता ने आरोपी से शादी कर ली थी। पीड़िता ने ही उसकी सजा रद्द करवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी और पीड़िता अब समाज में पति-पत्नी की तरह शांतिपूर्वक जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हैं। 2019 में ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई थी। मद्रास हाई कोर्ट ने सजा सस्पेंड कर दी थी, लेकिन 2021 में केस खत्म करने की पीड़िता की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद आरोपी सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

### कोर्ट ने विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर फैसला सुनाया

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए फैसला सुनाया। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार है कि वह अपने पास लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कोई भी आदेश पारित कर सके। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंदूरकर की बेंच ने कहा- मामले की खास परिस्थितियों को देखते हुए, हम अपीलकर्ता की दोषसिद्धि और सजा के फैसले को रद्द करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी व्यापक शक्तियों का इस्तेमाल करना उचित समझते हैं। यह फैसला पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(1) के तहत लगे आरोप के संबंध में है और अपीलकर्ता को इस आरोप से बरी किया जाता है।

# कोलकाता की सरकारी बिल्डिंग में आग, 4 हजार ईवीएम जलीं

## 10 सीटों पर इस्तेमाल हुई थीं मशीनें, मंत्री बोले- साजिश की आशंका से इनकार नहीं

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक सरकारी बिल्डिंग में आग लगने से करीब 4 हजार ईवीएम जल गईं। ये मशीनें इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में 10 सीटों पर इस्तेमाल की गई थीं। घटना के बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा कि आग सामान्य नहीं लगती। एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बिल्डिंग में दक्षिण 24 परगना जिला परिषद समेत कई सरकारी दफ्तर हैं। आग पर पूरी तरह काबू पाने में करीब 24 घंटे लगे।

### मंत्री ने कहा- आग सामान्य नहीं लगती

कौशिक चौधरी ने बताया कि आग सबसे पहले दूसरी और तीसरी मंजिल पर दिखी थी। इसके बाद यह सातवीं, आठवीं, नौवीं और दसवीं मंजिल तक पहुंच गई। उन्होंने सवाल उठाया कि चौथी, पांचवीं और छठी मंजिल को ज्यादा नुकसान पहुंचे बिना आग ऊपर कैसे पहुंची। फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ होगी, लेकिन साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। कांग्रेस ने कहा- सरकार और चुनाव आयोग को बताना चाहिए कि आग कैसे लगी और ऊपरी मंजिलों तक कैसे पहुंची। दक्षिण 24 परगना प्रशासन की शिकायत पर अलीपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस आग की वजह तलाश रही है।

# दिल्ली के तुगलकाबाद में बिल्डिंग में आग, 3 मौतें: 6 झुलसे

## पार्किंग में टू-व्हीलर में आग लगी, 5वीं मंजिल तक फैली: छत के रास्ते रेस्क्यू

**नई दिल्ली।** दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2:35 बजे से 2:37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया। 3:45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

### चश्मदीद बोलीं- गाड़ियों एक-एक करके ब्लास्ट हुईं

एक चश्मदीद ने बताया कि, हम लोग पड़ोस में रहते हैं। आग लगने की खबर मिलते ही वहां पहुंचे तो देखा कि ग्राउंड फ्लोर पर खड़ी गाड़ियों में एक-एक करके ब्लास्ट हो रहा था। हमने पानी का इस्तेमाल करके आग बुझाई। हमने पीछे की तरफ से भी लोगों को बचाया। उन्हें नीचे उतारने के लिए साड़ियों का इस्तेमाल किया और लड़कियों को बाहर निकालने के लिए पीछे की सुरक्षा ग्रिल काटी। बिलडिंग में कुल 9 परिवार रहते हैं कुछ बाहर गए थे। घटना के वक्त करीब 20-22 लोग इमारत में रहे होंगे।

### तीन स्कूटी, दो बाइक और एक साइकिल जली

फायर विभाग के एडीओ यशवंत मीणा ने बताया कि पार्किंग में खड़ी तीन स्कूटी, दो बाइक और एक साइकिल जल गईं। आग और धुआं ग्राउंड फ्लोर से पांचवीं मंजिल तक फैल गया, जिससे निचली मंजिलों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। संकरी गली में बनी पांच मंजिला इमारत होने के कारण राहत कार्य में दिक्कतें आईं। छत का गेट बंद होने पर उसका ताला तोड़कर अंदर पहुंचे और वहां फंसी दो लड़कियों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

### दिल्ली में 10 दिनों में आग की दूसरी घटना, 3 जून को 21 जानें गईं थीं

दिल्ली में पिछले 10 दिनों में आग की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 3 जून को मालवीय नगर स्थित फ्लरिश स्टे होटल में आग लग गई थी। इसमें नाइजीरिया, किर्गिस्तान, मोजाम्बिक, उज्बेकिस्तान, बांग्लादेश, कांगो, लाइबेरिया और इराक के 15 विदेशी नागरिकों समेत कुल 23 लोगों की मौत हो गई थी। 30 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

### 6 कमरों का लाइसेंस, 25 कमरे चल रहे थे

फ्लरिश स्टे होटल के पास **B&B** (बेड एंड ब्रेकफास्ट) के तौर पर सिर्फ 6 कमरों का लाइसेंस था। रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के मुताबिक, पहली मंजिल पर 3 और दूसरी मंजिल पर 3 कमरे दर्ज थे। होटल सिल्वर कैटेगरी में रजिस्टर्ड था। हालांकि, पुलिस का कहना है कि इमारत में करीब 25 कमरे चलाए जा रहे थे।

## 20 करोड़ के चमत्कारी सुलेमानी पत्थर के नाम पर ठगी

### लाइव डेमो वीडियों में दिखाया था 'चमत्कार

**वडोदरा।** वडोदरा की कपूराई पुलिस ने 20 करोड़ रुपये के चमत्कारी सुलेमानी काले पत्थर के नाम पर ठगी करने वाले गैंग का भंडाफोड़ किया है। गिरोह फर्जी वीडियो और लाइव डेमो दिखाकर लोगों को भ्रमित करता था। सौदा फेल होने पर इन्होंने एक ज्योतिषी और उसके साथी को होटल में बंधक बनाकर 50 हजार रुपये की फिरौती की धमकी दी। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वडोदरा में कपूराई पुलिस ने एक बड़े ठगी गैंग का भंडाफोड़ किया है, जो सुलेमानी काला पत्थर के नाम पर लोगों को करोड़ों रुपये की ठगी का शिकार बनाता था। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह के अन्य संभावित संबंधों की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, यह गिरोह दावा करता था कि उनके पास एक ऐसा चमत्कारी पत्थर है जिसे पास रखने से किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता। यहां तक कि चाकू और ब्लेड जैसी तेज चीजें भी शरीर को नुकसान नहीं पहुंचा सकतीं। इसी झांसे में लोगों को फंसाकर यह गिरोह मोटी रकम वसूलने की कोशिश करता था। इस मामले की शुरुआत तब हुई जब वडोदरा के कलादर्शन चार रास्ता इलाके में रहने वाले ज्योतिषी योगेशभाई पंड्या को उनके ड्राइवर मनोज के जरिए भावनगर के रहने वाले विजयसिंह गोहिल के बारे में जानकारी मिली। विजयसिंह ने दावा किया कि उसके पास एक ऐसा सुलेमानी पत्थर है जिसकी कीमत 20 करोड़ रुपये है और जिसे रखने से कोई भी हथियार शरीर को नुकसान नहीं पहुंचा सकता।

## 30 साल से जोत रहे थे 400 हेक्टेयर जमीन, फिर पहुंचीं 20 जेसीबी...

### कच्छ में ऐसे चला दादा का बुलडोजर

**कच्छ।** कच्छ में इन दिनों बुलडोजर एक्शन की चर्चा है। लेकिन यह किसी सड़क, मकान या बाजार की कहानी नहीं है। मामला सैकड़ों हेक्टेयर वन भूमि का है, जिस पर वर्षों से कब्जा करके खेती की जा रही थी। अब वन विभाग ने ऐसी कार्रवाई की है कि इलाके में इसकी चर्चा दादा का बुलडोजर के नाम से हो रही है। कहानी गुजरात के कच्छ जिले की है। यहां नखत्राणा के निरोणा आरक्षित वन क्षेत्र में करीब 300 हेक्टेयर जमीन पर पिछले तीन दशक से अवैध खेती होने का दावा किया जा रहा था। यानी ऐसी जमीन, जो कागजों में वन विभाग की थी, लेकिन जमीन पर उसकी तस्वीर कुछ और ही थी। फिर वन विभाग ने कार्रवाई का फैसला किया। 20 जेसीबी मशीनें, 15 ट्रैक्टर, वन विभाग के 65 कर्मचारी और पुलिस बल के जवान। पूरा अमला मैदान में उतरा। वन भूमि को कब्जे से मुक्त कराने के लिए अभियान शुरू हुआ। देखते ही देखते वर्षों पुराने अतिक्रमण हटाए जाने लगे। वन विभाग के मुताबिक, सिर्फ निरोणा आरक्षित वन क्षेत्र से ही करीब 300 हेक्टेयर भूमि वापस अपने नियंत्रण में ली गई। यह वही जमीन है जहां लंबे समय से खेती की जा रही थी। नखत्राणा (पूर्व) रेंज के सायरा गांव में भी विभाग ने कार्रवाई की और करीब 20 हेक्टेयर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। इसके बाद दयापर (उत्तर) रेंज के शिणापर आरक्षित वन क्षेत्र में भी बुलडोजर पहुंचे, जहां लगभग 100 हेक्टेयर वन भूमि से कब्जे हटाए गए।

## पाकिस्तान बना कंगालिस्तानः 7 करोड़ आबादी गरीबी में जीने को मजबूर, बलूचिस्तान में भूख से हाहाकार

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान की बदहाली की मार आम लोगों को झेलना पड़ रहा है। आर्थिक सर्वे में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पिछले छह सालों में पाकिस्तान में गरीबी सात प्रतिशत बढ़ गई है।इस दौरान लगभग 2.7 करोड़ लोग गरीबी के दायरे में आ गए, जिससे देश में गरीबों की कुल संख्या सात करोड़ हो गई है। आर्थिक सर्वे से पता चलता है कि 2018-19 में गरीबी 21.9 प्रतिशत थी, जो 2024-25 में बढ़कर 28.9 प्रतिशत हो गई। ग्रामीण इलाकों में गरीबी 28.2 प्रतिशत से बढ़कर 36.2 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी इलाकों में यह 11 प्रतिशत से बढ़कर 17.4 प्रतिशत हो गई।

### बलूचिस्तान में हाहाकार

प्रांत-वार आंकड़ों से पता चलता है कि सभी क्षेत्रों में गरीबी बढ़ी है। पंजाब प्रांत में यह 16.5 प्रतिशत से बढ़कर 23.3 प्रतिशत हो गई। सिंध में 24.5 प्रतिशत से 32.6 प्रतिशत, खैबर पख्तूनख्वा में 28.7 प्रतिशत से 35.3 प्रतिशत और बलूचिस्तान में 41.8 प्रतिशत से 47 प्रतिशत हो गई। बलूचिस्तान गरीबी के मामले में सबसे ऊपर रहा, जबकि चार प्रांतों में पंजाब में गरीबी का स्तर सबसे कम था। सर्वे में बताया गया है कि गरीबी में यह बढ़ोतरी लंबे समय तक चले आर्थिक झटकों के कारण हुई है। इनमें रिकार्ड-तोड़ महंगाई, मुद्रा के मूल्य में गिरावट, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के स्थिरीकरण उपाय, बाढ़ जैसी विनाशकारी मौसमी घटनाएं और पश्चिम एशिया का संघर्ष शामिल हैं।

## अहमदाबाद प्लेन हादसे का एक साल...

# हादसे में इकलौते बचे शख्स बोले- जिंदा रहने की कीमत रोज चुका रहा

## सबको पता चले उस दिन क्या हुआ

**अहमदाबाद।** '12 जून 2025 के उस मनहूस दिन को पूरा साल हो गया। पर मेरे लिए वक्त वहीं ठहरा है। लोग मुझे 'चमत्कारी' कहते हैं, क्योंकि अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही जब एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर क्रैश हुआ, तो उसमें सवार 260 लोगों में से सिर्फ मैं अकेला जिंदा बचा था। पर सच कहूं, तो इस जिंदा रहने की कीमत मैं हर रोज अपनी आत्मा का एक हिस्सा देकर चुका रहा हूं। इस दुर्घटना के एकमात्र सर्वाइवर विश्वास कुमार रमेश ने अपने भाई को भी इस क्रैश में खो दिया था। रमेश ने कहा कि हादसे की कैसी भी जांच हो, मेरा भाई तो नहीं लौटा सकती। लेकिन, हम सभी को यह जानने का पूरा हक है कि उस दिन हुआ क्या था। भावुक अपील में विश्वास ने जांचकर्ताओं द्वारा अंतिम रिपोर्ट जारी किए जाने से पहले 'ईमानदारी, पारदर्शिता की मांग की है।

### रमेश ने कहा- आज भी वह खौफनाक मंजर दिखाई देता है

रमेश ने कहा- आज भी आंखें बंद करता हूं, तो मुझे वो चीखें, आग और वो खौफनाक मंजर दिखाई देता है। मैं बच तो गया, लेकिन गहरे मानसिक जख्मों के साथ। आज त्रासदी की पहली बरसी है। नागरिक उड्डयन मंत्री ने पिछले महीने कहा था कि जांच 'अंतिम चरण' में है और रिपोर्ट बरसी तक आ जाएगी। हादसे के ठीक 30 दिन बाद शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया था कि टेक-ऑफ के तुरंत बाद विमान के दोनों फ्यूल स्विच 'कट-ऑफ' पोजीशन पर आ गए थे, जिससे इंजनों को ईंधन मिलना बंद हो गया। पर ऐसा क्यों हुआ? यह तकनीकी खराबी थी या किसी की लापरवाही? इस सवाल का जवाब सालभर बाद भी नहीं मिला है। मुझे और मेरे जैसे सैकड़ों पीड़ित परिवारों को सिर्फ तीन चीजें चाहिए- ईमानदारी, पारदर्शिता और हमारे सवालों के जवाब। कोई भी रिपोर्ट मेरे भाई को लौटा नहीं सकती, न ही उन 260 लोगों को जिंदा कर सकती है। पर प्रभावित

परिवारों को यह जानने का हक है कि उनके अपनों के साथ उस दिन क्या हुआ था। हादसे के बाद से मेरी जिंदगी पटरी से उतर चुकी है। एअर इंडिया ने मदद के लिए 21,500 पाउंड (लगभग 23 लाख रुपए) दिए थे, पर वह रकम इस कड़वी हकीकत के सामने बहुत छोटी है। मानसिक आघात के कारण मैं काम पर सामान्य रूप से नहीं लौट पाया हूं। लंदन में मेरा परिवार हर महीने 1,000 पाउंड (एक लाख रु. से कम) में गुजारा करने को मजबूर है। मेरे प्रतिनिधि संजीव पटेल ने कई बार एअर इंडिया के सीईओ से मिलने का समय मांगा, पर उन्होंने जरूरी नहीं समझा। हाल में एअर इंडिया अधिकारियों व टाटा समूह प्रतिनिधियों से मुलाकात हुई, पर मुआवजे और मदद से जुड़े अहम मुद्दे अब भी अधर में हैं। ब्रिटिश नागरिक होने के बावजूद मुझे या अन्य ब्रिटिश पीड़ित परिवारों को यूके सरकार से मदद नहीं मिली। हमारे वकील कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। अंतिम जांच रिपोर्ट का इंतजार है ताकि असली जिम्मेदार तय हो सके। एअर इंडिया प्रवक्ता संपर्क में होने की बात करते हैं, पर अब वादों से ज्यादा ठोस नतीजों की जरूरत है। हर दिन न्याय की उम्मीद में जागता हूं, ताकि मेरे जैसे सैकड़ों परिवार इस दर्द से थोड़ा सा उबर सकें।'

### एअर इंडिया ने 96% पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया

एयर इंडिया ने गुरुवार को कहा कि उसने अहमदाबाद में 12 जून 2025 को हुए विमान हादसे से प्रभावित 96% परिवारों को 25-25 लाख रुपए का अंतरिम मुआवजा दे दिया है। जिनके डॉक्यूमेंटेशन अधूरे हैं या जहाँ परिवार में झगड़े चल रहे हैं, उन परिवारों को ही मुआवजा नहीं मिला है साथ ही जमीन पर घायल हुए 94% लोगों को या तो एक बार में पूरा मुआवजा मिला है। बाकी लोगों ने हेल्पडेस्क से फॉर्म ले लिए थे, लेकिन अभी तक उन्हें जमा नहीं किया है। टाटा संस न एआई 171 हादसे से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए एआई 171 मेमोरियल और वेलफ़ेयर ट्रस्ट बनाया है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सभी मरने वालों के परिवारों के लिए 1 करोड़ की मदद की घोषणा की थी। 91% परिवारों को पूरे 1 करोड़ दिए जा चुके हैं।

### अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद बदल गई एरोप्लेन बॉय की जिंदगी

**अहमदाबाद।** पिछले साल अहमदाबाद में हुए दर्दनाक एअर इंडिया विमान हादसे की यादें आज भी लोगों के दिलों में ताजा हैं। इस हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। इस बड़ी त्रासदी के बीच एक ऐसी कहानी भी सामने आई, जिसने एक आम स्कूल जाने वाले लड़के की जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया है। ये कहानी है 18 साल के आर्यन असारी की है। वो एक साल पहले तक गुजरात के अरावली जिले के एक छोटे से गांव का साधारण छात्र था। उसने कभी किसी विमान को इतनी नजदीक से नहीं देखा था। लेकिन 12 जून 2025 को अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे ने उसे नया नाम दे दिया है। आज पूरा इलाका आर्यन को एरोप्लेन बॉय के नाम से जानता है।

### दोस्तों को दिखाने के लिए बनाया था वीडियो

आर्यन उस सुबह ही पहली बार अहमदाबाद पहुंचा था। उसके पिता आर्मी से रिटायर्ड होने के बाद वहां मेट्रो स्टेशन पर सिक्योरिटी गार्ड का काम करते थे। आर्यन अपनी 12वीं की पढ़ाई के लिए किताबें खरीदने और पिता के साथ कुछ समय बिताने आया था।

# बैडमिंटन रैकेट थामते ही जामनगर में छा गईं रवींद्र जडेजा की पत्नी, कोर्ट पर दिखा जलवा, हर शॉट पर गूंजा तालियों का शोर

**जामनगर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान गुजरात सरकार की राज्य मंत्री और क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा ने बैडमिंटन खेलकर खेलों के प्रति अपना जुड़ाव दिखाया, उन्होंने युवाओं को खेल और फिटनेस के लिए प्रेरित किया, इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों के साथ खेल भावना साझा की और खेलों को जीवन का अहम हिस्सा बताया**

**जामनगर।** जामनगर में खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी और गुजरात सरकार की राज्य मंत्री रिवाबा जडेजा ने बैडमिंटन रैकेट थामकर खिलाड़ियों के साथ खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस मौके पर उन्होंने बैडमिंटन कोर्ट पर खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए खेलों के प्रति अपनी रुचि और जुड़ाव को सामने रखा। कार्यक्रम के दौरान रिवाबा जडेजा ने कहा कि खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं है, बल्कि यह शारीरिक और मानसिक विकास का एक महत्वपूर्ण साधन भी है। उन्होंने युवाओं को नियमित रूप से किसी न किसी खेल गतिविधि से जुड़ने और फिट एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। बैडमिंटन कोर्ट पर खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए

उन्होंने खेल भावना का परिचय दिया और खेलों को का हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि शरीर और मन दोनों बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रिवाबा जडेजा ने कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें अपने खेल प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं से कहा कि खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि शरीर और मन दोनों स्वस्थ रह सकें।

### फिटनेस और स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

इस कार्यक्रम में रिवाबा जडेजा की पहल को खिलाड़ियों और उपस्थित लोगों ने सराहा। सभी ने उनके साथ खेलकर और बातचीत कर प्रेरणा ली। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना था। फिटनेस और स्वस्थ जीवन के संदेश के साथ आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ। रिवाबा जडेजा की इस पहल ने खेलों के महत्व को एक बार फिर उजागर किया और युवाओं को सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

# सुपारी खाने को लेकर हुआ विवाद, लिव-इन पार्टनर ने पीट-पीटकर ले ली युवती की जान

**जूनागढ़।** गुजरात के जूनागढ़ जिले से एक सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही एक युवती की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। आरोप है कि उसके साथी ने सुपारी खाने की बात को लेकर हुए विवाद में इतनी बेरहमी से मारपीट की कि युवती की जान चली गई। मामला जूनागढ़ के धारानगर इलाके का है। पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय भोला सोलंकी और 22 वर्षीय ज्योति पिछले करीब एक साल से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। दोनों ज्योति के भाई सागर के घर पर

काम भी कर रहे थे और वहीं रह रहे थे।

### सिंगर पर बोरी भरकर बरसाए नोट

जानकारी के मुताबिक, घटना वाले दिन सुपारी खाने की बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई थी। शुरुआती विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। हालांकि, उस समय ज्योति के भाई सागर ने बीच-बचाव कर दोनों को शांत कराया और उन्हें घर भेज दिया था।

### पहले भी हुई थी कहासुनी, घर पहुंचकर फिर भड़का विवाद

परिजनों और पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार, ज्योति ने पहले सुपारी नहीं खाने की कसम खाई थी। लेकिन बाद में उसने दोबारा सुपारी खा ली। इसी बात को लेकर भोला काफी नाराज चल रहा था। बताया जा रहा है कि घर पहुंचने के बाद दोनों के बीच एक बार फिर बहस शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर भोला ने अपना आपा खो दिया और ज्योति के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि उसने युवती को बुरी तरह पीटा। इतना ही नहीं, पुलिस जांच में यह बात भी सामने आई है।

## आतंकी-तस्कर नेटवर्क पर अमृतसर पुलिस की कार्रवाई

### ग्रेनेड मामले में दो संदिग्ध गिरफ्तार: पिस्टल व हेरोइन बरामद

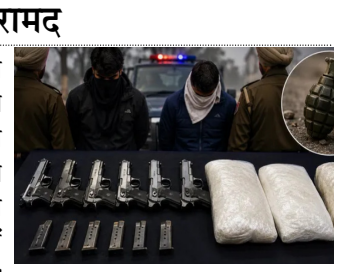

**अमृतसर।** ग्रेनेड बरामदगी मामले की जांच के दौरान अमृतसर देहात पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पहले गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों के दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से छह पिस्तौल और करीब तीन किलो हेरोइन बरामद की गई है। बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बरामद की गई पिस्तौलें पंजाब में सक्रिय गैंगस्टरों तक पहुंचाई जानी थीं। पुलिस को आशंका है कि आरोपियों का संबंध हथियार और नशा तस्करी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क से हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।